मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 92, मुंबई, शनिवार, 22 मई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

'ताऊते' की तबाही का आंकलन शुरू

एक दिन के कोंकण दौरे पर CM UDDHAV

संवाददाता

मुंबई। 'ताऊ ते' चक्रवाती तूफान से राज्य में हुई तबाही का जायजा लेने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शुक्रवार को कोंकण के रत्नागिरी जिले में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि चक्रवात से प्रभावित कोई भी व्यक्ति नुकसान भरपाई से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार इस वक्त कहां और कितना नुकसान हुआ है? इसकी जानकारी इकट्ठा कर रही है ताकि नुकसान भरपाई की घोषणा जल्द से जल्द की जा सके। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सिंधुदुर्ग जिले में दो हजार से अधिक और रत्नागिरी में एक हजार से अधिक घरों को भारी नुकसान हुआ है। अकेले सिंधुदुर्ग जिले में 5.77 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होने का प्राथमिक अंदाज है। रत्नागिरी जिले में 8 लोग जख्मी भी हुए हैं

रत्नागिरी में सीएम ने कहा- एक भी प्रभावित नहीं रहेगा मुआवजे से वंचित

चक्रवाती तूफान की वजह से हापूस आम उत्पादन करने वाले बागवानों की कमर ही टूट गई है

कोरोना संकट में भी देह व्यापार का धंधा जोरों पर

घाटकोपर में सेक्स रैकेट का भांडाफोड़

दो गिरफ्तार, एक नाबालिग सहित 3 को बचाया

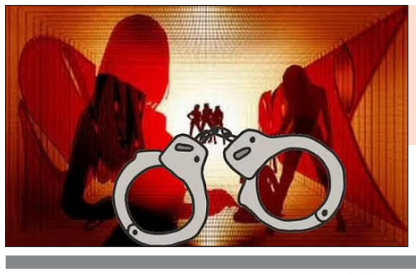

बता दें कि पैसों का लालच देकर या फिर गरीब घर की लड़कियों और महिलाओं को इस दलदल में धकेलने का बड़ा गिरोह मुंबई में सक्रिय है। स्थानीय पुलिस ने कई मौके पर ऐसे रैकेट का भांडाफोड़ किया है। देखा गया है कि ये धंधेबाज अधिकांश चॉल के लोगों को ही शिकार बनाते हैं

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कोरोना संकट में भी देह व्यापार का धंधा चल रहा है। मुंबई अपराध शाखा ने घाटकोपर पश्चिम अब्दुल कादर चॉल चिराग नगर इलाके से नाबालिग लड़कियों को कथित रूप से जबरन देह व्यापार में शामिल करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर एनकाउंटर

गढ़चिरौली में 13 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए

4 से 5 नक्सली घायल, भारी मात्रा में हथियार बरामद

गढ़चिरौली। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बार्डर से लगे गढ़चिरौली जिले में शुक्रवार सुबह सी-60 फोर्स के कमांडोज ने करीब डेढ़ घंटे चली मुठभेड़ में 13 नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए नक्सलियों में 7 महिलाएं भी शामिल हैं। सभी के शव जवानों ने बरामद कर लिए हैं। इस हमले में 4-5 नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। मुठभेड़ में मरे नक्सलियों की पहचान नहीं हो सकी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

फंगस ने बढ़ाई चुनौती

केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि 'ब्लैक फंगस' को वे महामारी कानून के तहत अधिसूचित करें और एक-एक मामले की रिपोर्ट की जाए। केंद्र ने आम जनता के लिए कोविड संबंधी जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उनमें कहा गया है कि कोविड संक्रमण हवा में दस मीटर तक फैल सकता है। इससे बचने के लिए डबल मास्क लगाना चाहिए और बंद जगहों पर ताजा हवा के इंतजाम किए जाने चाहिए। धीरे-धीरे वैज्ञानिक इस बात को मानने लगे हैं कि कोविड के फैलने को लेकर जो समझ पहले थी, उसमें सुधार की जरूरत है। शुरूआत में माना गया था कि कोरोना वायरस हवा में दूर तक नहीं फैलता और मरीज के छींकने या खांसने से जो छोटी-छोटी बूंदें गिरती हैं, उन्हीं से यह बीमारी फैलती है। यह भी माना जा रहा था कि ऐसी बूंदें किसी सतह पर पड़ी रहें, तो वे संक्रमण के फैलने का जरिया बन सकती हैं। इसीलिए शुरू में एक मीटर की दूरी बरतने का निर्देश जारी किया गया था और सतहों को न छूने और उनको कीटाणुरहित करने पर जोर था। यह कोई विचित्र बात नहीं है। हवा से किसी वायरस या बैक्टीरिया के नमूने एकत्र करना और उनके खतरों का मूल्यांकन बहुत मुश्किल होता है। टीबी और खसरा जैसी बीमारियों के साथ भी यही हुआ था। लंबे दौर तक यह माना गया था कि ये बीमारियां हवा से नहीं, सिर्फ बूंदों से फैलती हैं, बाद में यह आकलन गलत साबित हुआ। कोरोना वायरस के बारे में भी ऐसे असंदिग्ध तथ्य नहीं मिले हैं, जिनसे ठीक-ठीक बताया जा सके कि कोरोना हवा में कितनी दूर तक फैलता है और उसका खतरा कितनी देर तक रहता है, लेकिन अब यह लगभग आम सहमति है कि कोविड का संक्रमण मुख्यतः हवा से होता है, सतहों को छूने से होने वाले संक्रमण की मात्रा बहुत कम है, इसलिए बार-बार उनको साफ करने की कोई खास जरूरत नहीं है। एक और खास बात जो उभरकर आई है, वह है ताजा हवा की जरूरत। पाया गया है कि बंद कमरों में या ऐसी जगहों पर, जहां हवा के आने-जाने का इंतजाम नहीं है, कोरोना का वायरस देर तक रह सकता है। इसलिए जहां एयर कंडिशनिंग जरूरी भी है, वहां बार-बार ताजा हवा के आने का इंतजाम जरूरी है। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि खुली जगहों पर कोविड संक्रमण के प्रसार की आशंका कई गुना कम हो जाती है। कुछ वैज्ञानिकों का जोर है कि जैसे 19वीं सदी में साफ पानी पर जोर दिया गया था और उससे कई बीमारियों पर नियंत्रण हो गया, वैसे ही अब यदि हवा की गुणवत्ता को मुद्दा बनाया जाए, तो बहुत सारी बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है। कोविड ने बीमारियों के फैलने में हवा के महत्व को फिर रेखांकित किया है। दस मीटर यानी काफी बडे. कमरे में कोरोना हवा के जरिए फैल सकता है। यह दस मीटर भी कोई पत्थर की लकीर नहीं है। इससे सिर्फ यही पता चलता है कि काफी दूर तक कोरोना का वायरस हवा में जा सकता है और इसी नजरिए से बचाव के उपाय करने होंगे। वैक्सीनेशन से बचाव को पाने में अभी वक्त लगेगा और वह भी शत-प्रतिशत नहीं होगा। इसलिए बचाव के असली उपाय वही सावधानियां हैं, जिनके पालन में लोग लापरवाही कर जाते हैं। मास्क का सही इस्तेमाल, शारीरिक दूरी का ख्याल और खुली हवा का इंतजाम जैसे तरीके अभी सबसे कारगर बचाव हैं। ब्लैक फंगस ने वैसे भी चुनौती बढ़ा दी है।

कमान हाथ में लेने की नाकाम कोशिश!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर कोरोना महामारी से मुकाबले की कमान अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहे हैं। वे मुख्यमंत्रियों से बात कर रहे हैं। अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। यहां तक कि जिलों के कलेक्टरों से सीधी बात कर रहे हैं। इन सबका मकसद यह दिखाना है कि कोरोना से लड़ाई असल में प्रधानमंत्री ही लड़ रहे हैं और उन्होंने एक बार फिर अपनी दिव्य शक्तियों से कोरोना पर देशवासियों को विजय दिला दी। परंतु मुश्किल यह है कि इस बार उनकी कोशिशें कामयाब होती नहीं दिख रही हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कोरोना कंट्रोल करने की कमान उन्होंने खुद अपने हाथ से निकल जाने दी थी और एक बार जब कमान हाथ से निकल गई और उनके खुद के बनवाए यह धारणा बन गई कि स्वास्थ्य राज्यों का मामला है और राज्य सरकारों को ही इस वायरस से निपटना है तो अब लाख चाह कर भी वे इस धारणा को नहीं बदल सकते हैं और न कोरोना के कम होते केसेज का श्रेय ले सकते हैं।

याद करें कोरोना वायरस की पहली लहर में प्रधानमंत्री मोदी ने कैसे पूरा कंट्रोल अपने हाथ में रखा था। जब देश में सिर्फ पांच सौ केसेज थे तब उन्होंने राष्ट्रीय टीवी पर आकर लोगों से 'जनता कर्फ्यू' का आह्वान किया। उसके दो दिन बाद उन्होंने फिर राष्ट्रीय टीवी पर आकर चार घंटे की नोटिस पर पूरा देश बंद करने का ऐलान किया। यह दुनिया का सबसे सख्त लॉकडाउन था, जिससे कोरोना का तो कुछ नहीं बिगड़ा लेकिन देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी दोनों की कमर टूट गई। बिना सोचे-समझे लगाए गए इस लॉकडाउन की वजह से करोड़ों प्रवासी मजदूरों का पलायन हुआ और कोरोना का वायरस गांव-गांव तक पहुंचा। लॉकडाउन की घोषणा के बाद भी कई बार प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर आकर देश को संबोधित किया। उन्होंने ताली-थाली बजवाई और दीये भी जलवाए। उन्होंने सेना

के हेलीकॉप्टर से अस्पतालों के ऊपर फूल बरसवाए और देश भर में सेना की बैंड से डॉक्टरों के सम्मान में धुन बजवाई। प्रधानमंत्री ने पीएम-केयर्स के नाम से एक फंड बनाया, जिसमें लाखों लोगों ने हजारों करोड़ रुपए की मदद दी। उन्होंने राष्ट्रीय टेलीविजन पर देश को बताया कि उनकी वित्त मंत्री एक विशाल आर्थिक राहत पैकेज जारी करेंगी। इसके बाद धारावाहिक के रूप में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पांच दिन तक करीब 21 लाख करोड़ रुपए के एक पैकेज का ऐलान किया। इस पैकेज का कोई भी लाभार्थी पूरे देश में खोजने से नहीं मिलेगा। जो हालत पीएम-केयर्स फंड से खरीदे गए वेंटिलेटर्स की हुई वहीं आर्थिक राहत पैकेज की भी हुई। बहरहाल, इसके बाद कई बार प्रधानमंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की और जब वैक्सीन की तैयारी होने लगी तो दो टूक अंदाज में कहा कि राज्य सरकारें वैक्सीन नहीं खरीदेंगी। वैक्सीन की खरीद सिर्फ केंद्र सरकार ही करेगी। देश में जब अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हुई तो हर हफ्ते देश का गृह मंत्रालय दिशा-निर्देश जारी करता है। साल के अंत तक जब देश में कोरोना नियंत्रित दिखने लगा तो प्रधानमंत्री मोदी ने दावोस के विश्व आर्थिक मंच से कोरोना पर विजय का ऐलान किया। उससे ठीक पहले उन्होंने अपने हाथों 'दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियान' शुरू किया। कुल मिला कर लगभग एक साल प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस से लड़ने की कमान अपने हाथ में रखी। उन्होंने गोवर्धन पवर्त अपनी उंगली पर उठाए रखा। यह जोखिम का काम था क्योंकि भारत की विशाल आबादी को देखते हुए वायरस की महामारी के विकराल हो जाने का खतरा था। पर प्रधानमंत्री ने यह जोखिम लिया। परंतु जब वायरस की दूसरी लहर आई तो उन्होंने कमान अपने हाथ से छोड़ दी। यह एक नपा-तुला फैसला था। उनको पश्चिम बंगाल सहित देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के प्रचार की कमान संभालनी थी इसलिए उन्होंने कोरोना की कमान अपने हाथ से निकलने दी। अपनी पार्टी और प्रतिबद्ध मीडिया के सहारे यह धारणा बनवाई गई कि स्वास्थ्य राज्यों का विषय है और राज्य अपने आप इस महामारी से निपटें। इस फैसले के पीछे दो स्पष्ट कारण दिखते हैं। पहला, प्रधानमंत्री और उनकी टीम को लग गया था कि वैक्सीन नीति को लेकर जो गलती हुई है उसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा। इसलिए तत्काल केंद्र ने अपने को इससे अलग किया। दूसरा, उनको यह भी अंदाजा हो गया कि वायरस की दूसरी लहर बड़ी होगी और दूर-दराज तक पहुंचेगी, जिसे नियंत्रित करना मुश्किल होगा। इसलिए राज्यों के ऊपर ही कोरोना को नियंत्रित करने और वैक्सीन जुटाने का काम छोड़ दिया गया। जब प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने कमान छोड़ी तो शुरू में राज्यों के हाथ-पांव फूले लेकिन उन्होंने जल्दी ही अपने को संभाला और कोरोना से लड़ना शुरू कर दिया। केंद्र की तरफ से बहुत सीमित मदद उनको मिली, लेकिन उन्होंने अपने संसाधनों और बाहरी मदद से कोरोना का मुकाबला किया। उस दौरान प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल और बाकी राज्यों के चुनाव प्रचार में बिजी रहे। जब तक वे प्रचार से खुद को अलग करते तब तक देश में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मच चुका था। उस समय उन्होंने ऑक्सीजन उत्पादकों और केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, लेकिन उनके विजुअल लोगों के सामने नहीं आए। जैसा कि दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिका 'द इकोनॉमिस्ट' ने 17 मई के अपने संपादकीय में लिखा है कि हमेशा, हर जगह दिखाई देने वाले प्रधानमंत्री मोदी 'एलिस इन द वंडरलैंड' के 'चेशायर कैट' की तरह नेपथ्य में चले गए।

टीकाकरण: हम चीन से सीखें

कोरोना के टीकों की किल्लत ने भारत सरकार के होश फाख्ता कर दिए हैं। कई राज्यों ने 18 साल से ऊपर के लोगों को टीका लगाने का अभियान स्थगित कर दिया है। हालांकि भारत सरकार टीका-उत्पादन को बढ़ाने का भरसक प्रयत्न कर रही है और विदेशों से भी टीके मंगा रही है लेकिन जिस रफ्तार से भारत में टीके लग रहे हैं, सारे लोगों तक टीके को पहुंचने में साल-दो साल भी लग सकते हैं। इसमें शक नहीं कि हमारे स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य सरकारों ने साढ़े 18 करोड़ टीके लगा कर भारत को टीकाकरण में अग्रणी देश बना दिया है लेकिन इस मामले में हम चीन से कुछ सबक क्यों नहीं लेते? ऐसा माना जाता है कि चीन के वुहान शहर से ही कोरोना सारी दुनिया में फैला है लेकिन चीन को इस बात की शाबाशी भी मिल रही है कि उसने ही सबसे पहले कोरोना या कोविड को काबू किया है। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने तालाबंदी शुरू में ही लागू की और बड़ी सख्ती से लागू की। भारत की तरह वहां ढीला-ढाला इंतजाम नहीं था। चीनी नेताओं ने हमारे नेताओं की तरह भीड़भरी सभाओं में भाषण नहीं झाड़े और लोगों को महामारी से मुक्त होने के मुगालते में नहीं रखा। उसने अपने यहां दवाइयों, इंजेक्शनों और आक्सीजन की कालाबाजारी नहीं होने

दी। कम्युनिस्ट पार्टी के करोड़ों कार्यकर्त्ता हमारे नेताओं की तरह घूंघट काढ़ कर घर में नहीं बैठे रहे। उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों की सेवा की। चीनी नेताओं ने अपने टीके की बहुत डींग भी नहीं मारी। उन्होंने लगभग 100 देशों को चीनी टीके दिए हैं। कुछ से पैसे लिये, कुछ को मुफ्त में दिए। मुझे कुछ अफ्रीकी और हमारे कुछ पड़ौसी देशों के दोस्तों के फोन आए। उन्होंने बताया कि चीनी टीके के दो-दो डोज लेकर वे सुरक्षित अनुभव कर रहे हैं। चीनी टीका सस्ता और सुलभ है। सबसे बड़ी खबर यह आई है कि चीन ने पिछले नौ दिन में 10 करोड़ टीके अपने नागरिकों को लगा दिए हैं। अब तक चीन अपने लोगों को 40 करोड़ टीके लगा चुका है। इतने टीके तो अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी ने भी कुल मिलाकर नहीं लगाए हैं। एक दिन में सवा करोड़ लोगों को टीका लगाना अपने आप में एक मिसाल है। जो काम चीन ने किया, वह भारत भी कर सकता है लेकिन उसके लिए हमारी जनता और सरकारों में दृढ़ संकल्प शक्ति की आवश्यकता है। हमारे पास लगभग 60 लाख स्वास्थ्यकर्मी हैं, 20 लाख फौजी हैं और करोड़ों राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। यदि सबको सक्रिय करनेवाला कोई महान नेता देश में हो तो सिर्फ कुछ हफ्तों में ही सारे नागरिकों को टीके लगाए जा सकते हैं। टीका लगाने का प्रशिक्षण देने में कितनी देर लगती है ? इसके अलावा हर नागरिक को पारंपरिक काढ़ा, घरेलू मसालों, प्राणायाम और व्यायाम (आहार और विहार) के द्वारा कोरोना का मुकाबला करना सिखाया जा सकता है। लेकिन खास सवाल यह है कि 200-250 करोड़ टीके आप लाएंगे कहां से? हमारी नेताओं के लिए यह बड़ी चुनौती है। वे बातें बड़ी-बड़ी करते हैं लेकिन वे बड़ा काम करके भी दिखाएं। वे साम, दाम, दंड, भेद जिसका भी प्रयोग कर सकें, करें। टीके लाएं भी और बनाएं भी। चीन देता हो तो उससे भी ले लें। चीन से अप्रैल-मई में अब तक भारत ने 5000 वेंटिलेटर्स, 21000 आक्सीजन जनरेटर, 2 करोड़ मास्क और लगभग 4 हजार टन दवाइयां खरीदी हैं। वह उससे करोड़ों टीके भी खरीद सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

'दसवीं कक्षा की परीक्षा को रद्द करने के फैसले को क्यों खारिज न किया जाए'

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने 10 वीं कक्षा की परीक्षाएं रद्द करने को लेकर बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र सरकार को जमकर फटकार लगाई और कहा कि वह शिक्षा व्यवस्था का मजाक बना रही है। न्यायमूर्ति एस जे कथावल्ला और न्यायमूर्ति एसपी तावडे की खंडपीठ ने पूछा कि राज्य बोर्ड की परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले को क्यों खारिज न किया जाए। पीठ धनंजय कुलकर्णी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कोविड-19 के बढ़ते मामलों की वजह से 10वीं कक्षा की माध्यमिक स्कूल प्रमाण पत्र (एसएससी) परीक्षा को अप्रैल में रद्द करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी गई है। सरकारी

वकील पी बी ककडे ने कहा कि सरकार ने परीक्षा नहीं लेने की वजह से छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए कोई फार्मूला तय नहीं किया है और इस बाबत दो हफ्तों में फैसला कर लिया जाएगा। न्यायमूर्ति कथावल्ला ने कहा, आप शिक्षा व्यवस्था का मजाक बना रहे हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सरकार महामारी के नाम पर छात्रों का भविष्य और करियर बर्बाद नहीं कर सकती है। अदालत ने कहा, क्या आप बिना परीक्षा के छात्रों को प्रोन्नत करने के बारे में सोच रहे हैं? अगर हां तो इस राज्य की शिक्षा व्यवस्था को ईश्वर ही बचाए। 10वीं कक्षा अहम वर्ष होता है और इस लिए परीक्षा भी महत्वपूर्ण होती है। उच्च न्यायालय ने कहा, विद्यार्थी हमारे देश और राज्य का भविष्य हैं और उन्हें हर साल बिना परीक्षा दिए प्रोन्नत नहीं किया जा सकता है। हम सिर्फ इस बारे में चिंतित हैं।

वाजे का सहयोगी, मुंबई का एक और पुलिसकर्मी सेवा से बर्खास्त

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास जिलेटिन की छड़ों के साथ एक वाहन के मिलने और उसके बाद कारोबारी मनसुख हिरन की मौत से जुड़े मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तार सहायक पुलिस निरीक्षक रियाज हिसामुद्दीन काजी को शुक्रवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। एक अधिकारी ने इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मुंबई के पुलिस आयुक्त ने संविधान के अनुच्छेद 311 (दो) (बी) के तहत मुंबई अपराध शाखा में कार्यरत सचिन वाजे के पूर्व सहयोगी काजी को बर्खास्त कर दिया। इस अनुच्छेद के तहत किसी सरकारी अधिकारी को बिना विभागीय जांच के सेवा से हटाया जा सकता है।

महाराष्ट्र में मेडिकल परीक्षाएं अब 10 जून से होंगी

मुंबई। महाराष्ट्र में 2 जून से शुरू होने वालीं मेडिकल छात्रों की परीक्षाएं अब 10 से 30 जून के बीच होंगी। यह जानकारी राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री अमित देशमुख ने दी। राज्य में मेडिकल छात्रों की परीक्षाओं के संबंध में स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अजीत पाठक ने बुधवार को मंत्रालय में अमित देशमुख से परीक्षाओं के संदर्भ में चर्चा की और उसके बाद यह निर्णय लिया गया। इन परीक्षाओं में एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीयूएमएस, बीएचएमएस, बीपीटीएच, बीओटीएच और बीएससी नर्सिंग में डिग्री परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की परीक्षाएं शामिल हैं। इन मेडिकल परीक्षाओं

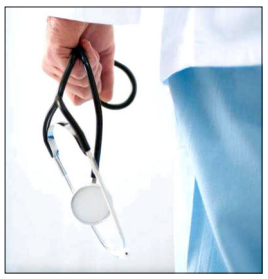

के साथ-साथ मॉडर्न मिड लेवल सर्विस प्रोवाइडर कोर्स और फामाकोलॉजी में सर्टिफिकेट कोर्स की परीक्षाएं भी आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा आयोजित की जाने वाली ये परीक्षाएं पहले 19 अप्रैल से शुरू होने वाली थीं। तब बढ़ते कोरोना संक्रमण के मद्देनजर राज्यव्यापी तालाबंदी के कारण परीक्षाएं स्थगित कर दी गई थीं। बता दें कि राज्य के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रशिक्षु डॉक्टर और उनके कई संपर्क कोरोना से संक्रमित हो गए हैं, जिस कारण महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाएं स्थगित करने की मांग हो रही थी।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

अगर नाबालिक लड़की का कोई अपहरण कर ले तो क्या करें?

उत्तरः अपहरण के बड़ते मामले चिंताजनक है, उसमे भी बच्चियों और महिलाओं के अपहरण के मामले सर्वाधिक है, इन हालातों में अगर आपके समक्ष कोई नाबालिक लड़की की अपरहण की घटना आती है तो, उस समय आपको क्या करना चाहिए और कानून में इसके लिए कौनसे प्राविधान हैं आइए जानते हैं।

सीआरपीसी की धारा ९८ के अंतर्गत किसी स्त्री या अठारह वर्ष से कम आयु की किसी बालिका के किसी विधिविरुद्ध प्रयोजन के लिए अपहृत किए जाने या विधिविरुद्ध निरुद्ध रखे जाने का शपथ पर परिवाद किए जाने की दशा में जिला मजिस्ट्रेट, उपखंड मजिस्ट्रेट या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट यह आदेश कर सकता है कि उस स्त्री को तुरंत स्वतंत्र किया जाए या वह बालिका उसके पति, माता-पिता, संरक्षक या अन्य व्यक्ति को, जो उस बालिका का विधिपूर्ण भारसाधक है, तुरंत वापस कर दी जाए और ऐसे आदेश का अनुपालन ऐसे बल के प्रयोग द्वारा, जैसा आवश्यक हो, करा सकता है। तो आप इस धरा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट से दरखास्त कर सकते है की वो गायब हुई उस नाबालिक लड़की को धुन्धने का आदेश दे। यदि मजिस्ट्रेट के आदेश पर भी खोयी हुई नाबालिक बच्ची न मिले तब संविधान के अनुच्छेद २२६ के तेहत हाई कोर्ट में Habeas Corpus की पेटिशन डाल सकते हैं यदि तब पर भी आपकी नाबालिक बच्ची न मिले तो सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद ३२ के तेहत Habeas Corpus का पेटीशन डाल सकते हैं।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।
Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

(पृष्ठ 1 का शेष)

'ताऊ ते' की तबाही का आंकलन शुरू

उन्होंने कहा कि चक्रवात की वजह से रत्नागिरी जिले में 1100 किसानों का करीब 2500 हैक्टेर फल बागों का भारी नुकसान हुआ है। इसमें से 3430 किसानों का पंचनामा पूरा हो गया है। रत्नागिरी के बाद सीएम ठाकरे सिंधुदुर्ग जिले में जाने वाले हैं। हालांकि, उद्धव के आज के दौरे को लेकर विपक्ष ने उन पर निशाना साधा है। पूर्व सीएम और नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'कोंकण में पिछले बार जब निसर्ग चक्रवात आया था, तब सरकार ने प्रति हेक्टर 50 हजार यानी एक पेड़ का जिस बागवान का नुकसान हुआ था उसे महज 500 रुपए की मदद मिली थी। जिससे कोंकण के लोगों को घोर निराश होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि कोंकण ने शिवसेना को दिल खोलकर दोनों हाथों से हमेशा मदद की है। इसलिए अब मुख्यमंत्री ठाकरे भी चक्रवात तूफान प्रभावित कोंकण को ज्यादा से ज्यादा नुकसान भरपाई दें। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आज शुक्रवार को कोंकण के जिन दो जिलों का दौरा कर रहे हैं। वहां चक्रवात की वजह से भारी नुकसान हुआ है। सिंधुदुर्ग जिले में दो हजार से अधिक और रत्नागिरी में एक हजार से अधिक घरों को भारी नुकसान हुआ है। अकेले सिंधुदुर्ग जिले में 5.77 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होने का प्राथमिक अंदाज है। रत्नागिरी जिले में 8 लोग जख्मी भी हुए हैं। पड़ोस के रायगढ़ जिले में 4 लोगों की मौत हुई है और 6 जख्मी हुए हैं। यहां 6 हजार से अधिक घरों को नुकसान हुआ है। इसके अलावा कोंकण हापूस आम के उत्पादन के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। चक्रवाती तूफान की वजह से हापूस आम उत्पादन करने वाले बागवानों की कमर ही टूट गई है। यही वजह है कि शुक्रवार की दोपहर कोंकण का दौरा कर मुंबई वापस लौटने पर मुख्यमंत्री चक्रवात प्रभावित इलाकों के लिए कितनी नुकसान भरपाई घोषित करते हैं। इस पर पूरे महाराष्ट्र की नजर रहने वाली है।

घाटकोपर में सेक्स रैकेट का भांडाफोड़

एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि देह व्यापार के इस गिरोह का भंडाफोड़ अपराध शाखा यूनिट आठ द्वारा चॉल पर छापा मरने के बाद हुआ। उन्होंने बताया कि इस छापेमारी की कार्रवाई में एक नाबालिग लड़की और दो महिलाओं को मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि दो आरोपियों में एक 37 वर्षीय महिला है जबकि दूसरा 40 साल का पुरुष है और उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आपको बता दें कि पैसों का लालच देकर या फिर गरीब घर की लड़कियों और महिलाओं को इस दलदल में धकेलने का बड़ा गिरोह मुंबई में सक्रिय है। स्थानीय पुलिस ने कई मौके पर ऐसे रैकेट का भांडाफोड़ किया है। देखा गया है कि ये धंधेबाज अधिकांश चॉल के लोगों को ही शिकार बनाते हैं।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर एनकाउंटर

गढ़चिरौली डीआईजी संदीप पाटिल ने बताया कि नक्सलियों के शव महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर स्थित गढ़चिरौली जिले के एटापल्ली के कटीमा के जंगल से बरामद हुए हैं। पाटिल के मुताबिक, एटापल्ली में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सी-60 फोर्स के जवान सर्चिंग पर निकले थे। सुबह कोटमी वन क्षेत्र के पैड़ी में 50 से 60 नक्सली एकत्रित थे। जवानों के पहुंचते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस पर जवानों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। जिसके बाद कई नक्सली वहां से भाग निकले। मुठभेड़ के बाद जवानों ने सर्चिंग शुरू की तो शवों के अलावा खून के निशान भी मिले हैं। ऐसे में संभावना है कि मुठभेड़ में 4 से 5 नक्सली गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं, इसलिए मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। जवानों ने मौके से एके-47, एसएलआर राइफल, 303 राइफल, करबाइन, 12 बोर की राइफल और बड़ी मात्रा में विस्फोटक, तार का बंडल और अन्य सामान बरामद किया है। नक्सलियों ने पिछले महीने गढ़चिरौली जिले के एटापल्ली तालुका के गुट्टा पुलिस थाने पर ग्रेनेड फेंका था। विस्फोट नहीं होने के कारण हादसा टल गया। हालांकि, नक्सलियों द्वारा थाने को उड़ाने की कोशिश को एक बड़ी घटना माना जा रहा था। माना जा रहा है कि इसी के बाद सी-60 कमांडोज ने यह कार्रवाई की है। गढ़चिरौली जिले की स्थापना के बाद से ही पूरे क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां बढ़ गई थीं। इस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तत्कालीन एसपी केपी रघुवंशी ने 1 दिसंबर 1990 को सी-60 की स्थापना की। उस वक्त इस फोर्स में सिर्फ 60 विशेष कमांडो की भर्ती हुई थी, जिससे इसे यह नाम मिला। नक्सली गतिविधियों को रोकने के लिए गढ़चिरौली जिले को दो भागों में बांटा गया। पहला उत्तर विभाग, दूसरा दक्षिण विभाग। इन कमांडो को विशेष ट्रेनिंग दी जाती है। इन्हें दिन-रात किसी भी समय कार्रवाई करने के लिए ट्रेंड किया जाता है। इनकी ट्रेनिंग हैदराबाद, एनएसजी कैंप मनेसर, कांकेर, हजारीबाद में होती है। नक्सल विरोधी अभियान के अलावा ये जवान नक्सलियों के परिवार, नाते-रिश्तेदारों से मिलकर उन्हें सरकार की योजनाओं के बारे में बताकर समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का काम भी करते हैं। नक्सली इलाकों में ये प्रशासनिक समस्याओं की जानकारी भी जुटाते हैं।

ब्लैक फंगस से भी बचना है

देशभर में 5500 मामले, महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 1500 केस

राजस्थान में प्राइवेट अस्पतालों में भी फ्री इलाज होगा

संवाददाता

नई दिल्ली। कोरोना के बीच अब ब्लैक फंगस लगातार खतरनाक होता जा रहा है। इस संक्रमण के चलते कुछ मरीजों की आंख तक निकालनी पड़ रही है। ये बीमारी जानलेवा भी साबित हो रही है। राजस्थान सरकार ने स्थिति संभालने के लिए इस बीमारी को मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में शामिल कर लिया है। यानी अब सरकारी ही नहीं बल्कि प्राइवेट अस्पताल में भी मरीज फ्री इलाज करवा सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देशभर में ब्लैक फंगस के 5500 केस सामने आ चुके हैं। वहीं 126 लोगों की मौत हो चुकी। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 1500 मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा 90 मौतें भी यहीं हुई हैं।

महाराष्ट्र	गुजरात	मध्य प्रदेश	राजस्थान	हरियाणा
1500	1200	585	400	316

10 प्रमुख राज्यों में ब्लैक फंगस की स्थिति

1. महाराष्ट्र

राज्य में अब तक ब्लैक फंगस के 1500 केस सामने आ चुके हैं। यह किसी एक राज्य में सबसे बड़ा आंकड़ा है। महाराष्ट्र सरकार ने इस बीमारी के इलाज में काम आने वाले एम्फोटेरिसिन इ इंजेक्शन के 2 लाख डोज का ऑर्डर किया है। अब इस ऑर्डर के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

2. गुजरात

गुजरात के 4 शहरों में ब्लैक फंगस के 1200 मामले सामने आए हैं। सरकार इसे महामारी घोषित कर चुकी है। अब सरकारी-निजी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज इस बीमारी के बारे में केंद्र की गाइडलाइंस का पालन करेंगे।

3. मध्य प्रदेश

राजधानी भोपाल में बीते 28 दिन में ब्लैक फंगस के 239 मरीज आ चुके हैं। 10 मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि 174 पेशेंट अस्पतालों में हैं। इनमें 129 की सर्जरी हो चुकी है। सरकार भोपाल में सिर्फ 68 मरीज ही बता रही है। पूरे राज्य में 585 मरीज बताए जा रहे हैं।

4. राजस्थान

राज्य में 400 लोग ब्लैक फंगस का शिकार हुए हैं। जयपुर में 148 लोग इससे संक्रमित हैं। जोधपुर में 100 मामले सामने आ चुके हैं। हालांकि, सरकार पूरे राज्य में ही 100 केस बता रही है। सरकार इसे महामारी घोषित कर चुकी है। इस संक्रमण को मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में भी शामिल करते हुए सरकारी के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी फ्री इलाज के इंतजाम किए जा रहे हैं।

5. हरियाणा

पूरे प्रदेश में ब्लैक फंगस के 316 मरीज हैं। इस संक्रमण को महामारी घोषित करने वाला हरियाणा पहला राज्य था। राज्य का औषधि विभाग स्टेरॉयड की बिक्री पर भी रोक लगा चुका है। राज्य में ब्लैक फंगस से रिकॉर्ड 8 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले सिरसा में 5 लोगों ने दम तोड़ दिया।

6. दिल्ली

दिल्ली में ब्लैक फंगस के 300 मरीज सामने आ चुके हैं। इंजेक्शन की कमी के चलते मरीजों के ऑपरेशन करने पड़ रहे हैं। एम्स में एक सप्ताह में 80 मरीज भर्ती हुए हैं। इनमें से 30 की हालत गंभीर है।

7. छत्तीसगढ़

प्रदेश में ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या 100 के करीब पहुंच चुकी है। अस्पतालों में 92 मरीजों का इलाज चल रहा है। सबसे ज्यादा 69 मरीज एम्स में भर्ती हैं। इनमें से 19 का ऑपरेशन हो चुका है।

8. तेलंगाना

तेलंगाना सरकार ने भी ब्लैक फंगस को महामारी एक्ट में नोटिफाई कर दिया है। राज्य में ब्लैक फंगस के 80 मामले सामने आ चुके हैं।

9. उत्तराखंड

एम्स ऋषिकेश में ही अब तक ब्लैक फंगस के 46 मरीज आ चुके हैं। इनमें से 3 की मौत हो गई। एक मरीज ठीक होकर घर चला गया, जबकि 42 का इलाज चल रहा है।

10. तमिलनाडु

राज्य में अब तक सिर्फ 9 केस सामने आए हैं। लेकिन दूसरे राज्यों की स्थिति को देखते हुए इसे महामारी एक्ट में नोटिफाई करने का फैसला लिया गया है।

चंडीगढ़ में भी ब्लैक फंगस महामारी घोषित: चंडीगढ़ में भी ब्लैक फंगस को महामारी घोषित कर दिया गया है। चंडीगढ़ के प्रशासक वीपी सिंह बदनोर की मंजूरी के बाद प्रिंसिपल सेक्रेटरी हेल्थ अरुण कुमार गुप्ता ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। ढक्कि चंडीगढ़ में अब तक ब्लैक फंगस के 27 मरीज आ चुके हैं। इनमें से 7 की सर्जरी होनी बाकी है।

केंद्र ने राज्यों से कहा- फंगल इंफेक्शन रोकने के लिए फौरन कदम उठाएं

ब्लैक फंगस यानी म्यूकर-माइकोसिस के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को चिट्ठी लिखकर फंगल इंफेक्शन रोकने के लिए कदम उठाने को कहा है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे इंफेक्शन रोकने और इससे बचाव के लिए अपनी तैयारियों का रिव्यू करें। साथ ही हॉस्पिटल्स में हाइजीन और सैनिटाइजेशन की भी समीक्षा करें। लेटर में सभी सरकारों से कहा गया है कि हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल कमिटी बनाएं। संस्था के हेड को इसका चेयरपर्सन बनाया जाए। इंफेक्शन से बचाव और कंट्रोल के लिए एक नोडल ऑफिसर भी बनाएं, जो माइक्रोबायोलजिस्ट या सीनियर इंफेक्शन कंट्रोल नर्स हो सकती है। हॉस्पिटल में इंफेक्शन प्रिवेंशन कंट्रोल प्रोग्राम बनाएं और लागू करें।

छवि चमकाने की चिंता छोड़कर, राज्यों को टीका उपलब्ध कराये सरकार, ये जान बचाने का समयः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश में टीकों की कमी होने के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को अपनी छवि की चिंता छोड़ कर राज्यों को टीका उपलब्ध कराने तथा लोगों की जान बचाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने यह भी कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से होने वाली मौतों का आंकड़ा छिपाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा, दूसरी लहर गांवों तक पहुंच गई है और इससे निपटने के लिए सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। कोरोना महामारी की तीसरी लहर को रोकने के लिए जरूरी है कि तेजी से टीकाकरण किया जाए और सभी को टीका लगाया जाए। शुक्ला ने कहा, केंद्र सरकार से अनुरोध है कि युद्ध स्तर पर टीकाकरण की तैयारी की जाए। राज्य सरकारों के पास टीके की उपलब्धता होनी चाहिए...सरकार को छवि की चिंता छोड़नी चाहिए क्योंकि यह समय लोगों की जान बचाने का है। उन्होंने टीके की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा, जो लोग खरीद सकते हैं उनके लिए बाजार में टीके की उपलब्धता होनी चाहिए और गरीबों को मुफ्त टीका लगना चाहिए। शुक्ला ने कहा, आंकड़ों की बाजीगरी नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह लोगों के जीवन का सवाल है। मौत के आंकड़े नहीं छिपाना चाहिए।

रिक्शा चालकों को सरकार जल्द देगी 1,500 रुपये

संवाददाता

मुंबई। राज्य के परमिटधारी रिक्शा चालकों को 1,500 रुपये की कोरोना मदद राशि देने की प्रक्रिया शनिवार से शुरू होगी। सरकार ने आश्वासन दिया है कि इसके लिए रिक्शा चालकों को किसी प्रकार के कागजात की जरूरत नहीं पड़ेगी। रिक्शा चालकों को आर्थिक सहायता देने के लिए आवश्यक रकम शासन की तरफ से उपलब्ध करा दी गई है। महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार ने लॉकडाउन लगाने से पहले 5,400 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। निर्माण क्षेत्र के मजदूरों को सरकार ने मदद की राशि दे दी है, लेकिन घर में काम करने वाली घरेलू कामगार, फेरीवालों और ऑटो चालकों को मदद की राशि नहीं मिली है। ऑटो चालकों को शनिवार से सरकार मदद राशि देने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। रिक्शा चालकों को ऑनलाइन सिस्टम

में अपना वाहन क्रमांक, अनुज्ञप्ति क्रमांक और आधार क्रमांक का पंजीयन करने के बाद कंप्यूटर सिस्टम में अपने आप जानकारी की तलाश कर आधार क्रमांक से लिंक खाते में डेढ़ हजार रुपये की रकम तत्काल जमा हो जाएगी। जिन रिक्शा चालकों के आधार क्रमांक बैंक खातों से लिंक होंगे, उनके संबंधित बैंक खातों में आर्थिक सहायता तत्काल जमा हो जाएगी।

आज से होंगे ऑनलाइन आवेदनः राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में हॉल में एक बैठक मंत्रालय में हुई। बैठक में पैसा देने की चर्चा हुई। तय किया गया कि शनिवार से ऑटो वालों को मदद की राशि देने की प्रक्रिया शुरू की जाए। सरकार ने 1,500 रुपये की देने का निर्णय लिया था। इस निर्णय के क्रियान्वयन और रिक्शा चालकों तक मदद पहुंचाने के लिए आईसीआईसीआई बैंक की तरफ स्वतंत्र कंप्यूटर प्रणाली विकसित की गई है। इस प्रणाली के जरिए परमिटधारी रिक्शा चालक 22 मई से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्हें कोई भी कागजात पेश नहीं करना होगा। उन्हें कंप्यूटर प्रणाली में वाहन क्रमांक, अनुज्ञप्ति क्रमांक तथा आधार कार्ड की जानकारी भरनी होगी। जांच होने के बाद रिक्शा चालक के खाते में तत्काल डेढ़ हजार रुपये की राशि जमा हो जाएगी। परिवहन विभाग ने इस बारे में पूरी तैयार कर ली है।

ओएनजीसी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए: राकांपा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने चक्रवात ताउते के दौरान मुंबई के अपतटीय क्षेत्र में बजरा के डूबने से हुए हादसे के संबंध में ओएनजीसी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की बृहस्पतिवार को मांग की। बजरा 'पी305' सोमवार रात को अरब सागर में डूब गया था, जिसपर मौजूद 37 लोगों की मौत हो गई और 38 लोग अब भी लापता हैं। यह सरकारी तेल एवं गैस कंपनी ओएनजीसी से संबंधित है। बजरा डूबने से पहले चक्रवात में फंस गया था। महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नवाब मलिक ने एक बयान में ओएनजीपी पर चक्रवात से संबंधित चेतावनियों को नजरअंदाज करने और करीब 700 कर्मियों की जान खतरे में डालने का आरोप लगाया। राकांपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने मांग की कि ओएनजीसी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए जो 37 कर्मियों की मौत के लिए जिम्मेदार है और दोषियों को सजा दी जानी चाहिए। तेल मंत्रालय ने चक्रवात ताउते में ओएनजीसी के एक ठेकेदार के तीन पोतों के फंसने की घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

कंगना रनोट के पर्सनल बॉडीगार्ड पर केस दर्ज

शादी का झांसा देकर 30 साल की ब्यूटीशियन से किया रेप

पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के डी एन नगर पुलिस स्टेशन में एक ब्यूटीशियन की शिकायत के बाद कंगना रनोट के पर्सनल बॉडीगार्ड कुमार हेगड़े के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया गया है। 30 साल की इस विक्टिम की मानें तो हेगड़े ने शादी का झांसा देकर रेप किया है। मामला बुधवार रात दर्ज हुआ है। पुलिस आरोपी पर भारतीय दंड कानून सहित धारा 376, 377, और 420 के तहत मामला दर्ज कर आगे की छानबीन कर रही है। ब्यूटीशियन ने अपने बयान में बताया कि 8 साल पहले वह आरोपी के संपर्क में आई थी। पिछले साल जून में आरोपी ने उसे शादी के लिए प्रपोज किया था। इसके बाद हेगड़े ने उसका रेप किया। इधर, जब कंगना की टीम से संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने सिर्फ इतना बताया कि हेगड़े लंबे समय से छुट्टी पर चल रहा है। उन्हें इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं है। कुमार हेगड़े का नंबर भी ट्राय किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक वह संपर्क में नहीं था और न ही मैसेजेस का कोई जवाब मिला।

विक्टिम की दोस्त ने सुनाई आरोपी की कहानी

विक्टिम की दोस्त दिव्या कोटियान ने कहा, आरोपी 9 साल से कंगना का पर्सनल बॉडीगार्ड है। अभी भी उनके लिए काम करता है। मेरी दोस्त से उसकी 8 साल की जान-पहचान है। दोनों का एक साल से अफेयर भी था। शादी के नाम पर उसने मेरी दोस्त को धोखा दिया और नाजायज संबंध बनाकर रखे। ज्यादातर टाइम वह शूट पर रहता था। मुंबई आने पर मेरी दोस्त के यहां ही रुकता था। दोस्त के साथ गोली और ड्रग्स लेकर अननैचुरल यौन संबंध भी बनाता था।

मेरी दोस्त डिप्रेशन में चली गईः दिव्या कोटियान

दिव्या ने आगे बताया, 27 अप्रैल को उसने मेरी दोस्त को कहा कि उसकी मां एक्सपायर हो गई है, उसे वहां जाना है। वहां पहुंचकर उसने चार दिन बातचीत भी की। फिर 1 तारीख से उसने अपना फोन ऑफ कर लिया। 4-5 दिन जब फोन ऑफ रहा तो मेरी दोस्त को घबराहट हुई। कुमार हेगड़े के कुछ कॉमन दोस्तों ने बताया कि उसने झूठ बोला है। वह तो शादी करने वाला है। इससे मेरी दोस्त डिप्रेशन में चली गई। यहां तक कि वह सुसाइड तक करने जा रही थी, मगर मेरे समझाने पर वह रुकी, संभली और पुलिस में केस कर दिया।

दिव्या ने अपनी आपबीती भी साझा की

बातचीत में दिव्या ने आपबीती भी साझा की। उन्होंने बताया, मैं भी छेड़छाड़ की शिकार रही हूं। पिछले साल मैंने भी गणेश आचार्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पर अब तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं तो डीसीपी सर से लेकर गृहमंत्री अनिल देशमुख तक से मिली थी, लेकिन अब तक आरोपी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।'

fresh &easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN :
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

पति ने पत्नी का गला दबाकर की हत्या

संवाददाता/अशफाक युसुफ

शेगाव। पति ने पत्नी की गला दबाकर खुन कर दिया।ये घटना 19 मई की शाम सात बजे यहां आरोग्य कॉलोनी में उजागीर हुई। पत्नी का खुन करने बाद आधी रात को आरोपी पति ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।आरोपी की पहचान संग्रामपुर तालुका के काकनवाड़ा के मूल निवासी शिवाजी कैलास अधव (28) के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी संजीवनी (22) के साथ आरोग्य कॉलोनी में किराए के कमरे में रह रहा था। उनके बीच हमेशा कहासुनी होती रहती थी। 19 मई की शाम 7 बजे आरोपी ने गुस्से में आकर पत्नी संजीवनी का गला दबाकर खुन कर दीया।

इसके बाद वह आधी रात को थाने में हाजिर होकर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए साईबाई मोटे जनरल अस्पताल भेज दिया गया। इस बीच, शहर पुलिस ने 20 मई को सुबह 2.30 बजे कावसा तालुका में घटना की सूचना दी। अकोट में मृत महिला की माहेर को सौंप दिया गया। इसके बाद माहेर के परिजन अस्पताल पहुंचे। मामले में शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। प्रेम विवाह का दुर्भाग्यपूर्ण अंत आरोपी शिवाजी और संजीवनी के बीच हुआ था। हालांकि आरोपी शराब के नशे में होने के कारण उसे हमेशा प्रताड़ित करता था और मारता-पीटता था। पहले पुलिस में शिकायत की गई थी। पुलिस के सुलह के बाद उन्होंने सुलह कर ली। दुर्भाग्य से उनका प्रेम विवाह समाप्त हो गया।

मजदूरों और गरीबों पर आफत बनकर टूट पड़ा है कोरोना

बुलडाणा। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के प्रकोप को रोकने के लिए राज्य सरकार ने बुलडाणा जिला सहित पूरे महाराष्ट्र भर में कडक लॉकडाउन लागू किया गया। स्लोगन ऑन को लगभग 2 महीने होने को जा रहे हैं। परिणामस्वरूप, सभी व्यवसायों से महनत मजदुर व्यापार लेनदेन पूरी तरह से ठप हो गए हैं। ऐसी स्थिति में अब बेरोजगारी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। बीते इस दो माह के लोक डाउन के दौरान कई खानदान तो बेरोजगारी की वजह से भुखमरी की नौबत तक जा पहुंचे।बड़े शहरों में लॉकडाउन की वजह से जो हालत हैं कमोबेश यही हालत छोटे शहरों में भी है। हर किसी को आने वाले दिनों की चिंता सता रही है। गरीब घर के बाहर सिर पर हाथ रखे आने - जाने वाले लोगों को काफी देर से देख रहे है। मानो उसे इस बात का इंतजार है कि आने वाला कोई व्यक्ति लॉकडाउन समाप्त होने की खबर दे, जिससे वह अपने काम धंधे पर निकल सके और घर में बीमार पड़े लोगों को खाने पीने दवा ला सके और घर का चूल्हा भी जला सके। लेकिन ईस लॉक डॉउन की वजह जो रोजगार थे, वह बेरोजगार हो गए। इसका परिणाम गरीब वर्ग के रोजमर्रा के जीवन पर हो रहा है। गरीब वर्ग के लोगों का जीना तक दुशवार होता जा

रहा है। शहरी विभाग हो या ग्रामीण इलाका हर जगह गरीबों के लिए हर दिन चुनौती बनकर सामने आ रहा है। रोज कमा कर अपना और अपने घर वालों का जीवन यापन करने के लिए हर दिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना की बीमारी आफत बनकर टूटी : ऐसे कई गरीब हैं, जिनके पेट के लिए कोरोना की बीमारी आफत बनकर टूटी है। शहर के एक दुकान पर का करने वाले शेख मुजीब और आकाश ने बताया के जब से लॉक डॉउन लगा है तब से ही हम घर पर बेरोजगार बैठे हैं। आज घर पर ही समय काट रहे हैं। गरीब जो रोज खाते कमाते थे बे कह रहे है कहते , कि मई महीने तक यही स्थिति रही। अब जुन महीना शुरू होन को भी कुछ ही दिन बाकी है। ना काम कर पा रहे है पा रहे हैं और ना ही कोई धंधा चला पा रहे हैं। वे कहते हैं, जो जमा पैसा था, उससे तो कुछ दिन तो निकल गए लेकिन उसके बाद क्या होगा? कोई उधार देने वाला भी नहीं है, जिससे मांगकर काम चला सके। ऐसी ही हालत एक छोटे से होटल में दुकानों में काम करने वाले भी है और भी छोटे मोटे काम करने वाले भी है । स्थिति ऐसी हो गई है कि होटल बंद है और घर से बाहर निकलने पर भी मनाही है।

बच्चों पर कोविड के इलाज के लिए बाल रोग तपासणी कक्ष तैयार किया जाएः पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे, कोविड संक्रमण नियंत्रण समीक्षा बैठक

बुलडाणा। देश में अगले छह से सात महीनों में कोरोना के प्रकोप की तीसरी लहर का अनुमान विशेषज्ञों ने किया है। इस लहर का असर छोटे बच्चों पर भी पड़ने की आशंका है। इसलिए जिला प्रशासन बच्चों को लहर से बचाने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दे। इसके लिए जिले के अस्पतालों में विशेष बाल रोग निदान कक्ष स्थापित कर बेड की व्यवस्था की जाए। 21 मई को राजेंद्र शिंगाने द्वारा प्रस्तुत किया गया। संरक्षक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने स्थानीय समाहरणालय के योजना समिति हॉल में कोविड पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया। वह उस समय समीक्षा करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर कलेक्टर एस राममूर्ति, जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया, अपर कलेक्टर धनंजय गोगटे उपस्थित थे। साथ ही जिला सर्जन डॉ. डॉ. पाटिल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी कांबले, रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर दिनेश गीते आदि उपस्थित थे।ऑक्सीजन युक्त कोविड संक्रमण के रोगियों में श्लेष्मा माइकोसिस (काली कवक) को कवक रोग बताते हुए संरक्षक मंत्री डॉ. शिंगाने ने कहा कि वर्तमान में श्लेष्मा माइकोसिस से पीड़ित रोगियों को प्रभावी उपचार दिया जाना चाहिए। इस बीमारी के लिए इंजेक्शन और दवाओं की आपूर्ति की मांग के अनुसार निगरानी की जानी चाहिए। मरीज कहीं भी बिना दवा के न रहें। म्यूकोसल माइकोसिस के संबंध में अस्पतालों को स्वच्छता के बारे में बताया जाना चाहिए। सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाए।

समस्तीपुर हलचल

एक ही परिवार में दस दिनों में 3 लोगों की अकाल मृत्यु से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त

समस्तीपुर। खानपुर प्रखंड क्षेत्र के खानपुर उत्तरी पंचायत वार्ड संख्या 9 में एक ही परिवार में 10 दिनों के अंदर 3 लोगों की अकाल मृत्यु का मामला प्रकाश में आया है घटना खानपुर प्रखंड के खानपुर उत्तरी पंचायत के वार्ड 9 की है जहां स्वर्गीय झरी पासवान का पुत्र महेंद्र पासवान व महेंद्र पासवान की पत्नी लूखिया देवी व पुत्र अनिल पासवान तीनों काल के गाल में समा गए, जहां 76 वर्षीय महेंद्र पासवान की हार्ट अटैक से 5 मई को अपने निवास स्थान पर ही मृत्यु हो गई, वे खानपुर थाना में चौकीदार के पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे, जिसके 10 दिनों बाद 15 मई को 65 वर्षीय उनकी पत्नी लुखिया देवी की भी देहांत हो गया जिनका दाह संस्कार किया हीं गया था कि उनका 45 वर्षीय पुत्र अनिल पासवान का भी मौत 16 मई को हो गया। जिससे पूरे गांव में दहशत व शोक व्याप्त है अनिल पासवान मजदूरी का कार्य किया करते थे जिनके कमाई से दस लोगों का भरण पोषण व बच्चों का पढ़ाई लिखाई हो रहा था। बताते चलें कि एक ही परिवार में 3 लोगों के मृत्यु के बाद वहां के ग्रामीणों में चर्चा का विषय बना हुआ है व काफी शोक व्याप्त है।

मृतक अनिल पासवान का चचेरा भाई राजेश पासवान ने जब मृतक के परिवार वालों को सरकारी राहत देने के लिए स्थानीय मुखिया से बात की तो उन्होंने बताया कि अभी कोरोना का समय चल रहा है फोटो खींचकर रख लो बाद में देखा जाएगा। बताते चलें कि मृतक अनिल पासवान अपने पीछे अपनी पत्नी व सात छोटे छोटे बच्चों को छोड़कर चले गए, जिसमें अपनी पत्नी व बच्चे सुजाता कुमारी 18 वर्ष, अंशिका कुमारी 16 वर्ष, कंचन कुमारी 14 वर्ष, कामिनी कुमारी 12 वर्ष, दामिनी कुमारी 10 वर्ष, अभिराज 8 वर्ष एवं अभिनव कुमार 6 वर्ष है जिनकी परवरिश फिलहाल गांव के ही लोग व सगे संबंधियों द्वारा किया जा रहा है। इस दुःख की पीड़ा में किसी भी सरकारी राहत नहीं दिए जाने से लोग मर्माहक एवं सरकारी कुव्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। इस परिस्थिति में स्थानीय मुखिया के द्वारा कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत भी सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि अगर मृतक के परिवार को उपलब्ध हो जाता तो परिवार के लोग उस पैसे का उपयोग क्रिया क्रम में कर लेते लेकिन मुखिया के द्वारा किसी प्रकार की कोई सहायता प्रदान नहीं किया गया। जब इसकी जानकारी जदयू नेता अरुण कुमार सिंह कुशवाहा खानपुर को हुई तो मौके पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक मदद के साथ साथ उन्होंने प्रखंड प्रशासन से मिलकर हर संभव सरकारी सहायता दिलाने की बातें कही। उन्होंने परिवार के लोगों का ढांढ़स बंधाया। मौके पर स्थानीय जिला पार्षद प्रियंका कुमारी, समाजसेवी शिक्षक प्रदीप कुमार सहनी, बैजनाथ कुशवाहा, विनय प्रसाद सिंह, उमेश कुमार, राजकुमार ठाकुर, संतोष कुमार, रंजीत कुमार, मंसूर आलम, मोहम्मद तैयब अली, जितेंद्र महतो, मुन्ना कुमार आदि लोगों ने मृतक परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

राजस्थान हलचल

वित्तीय अनियमितता के शिकार बीकानेर इंजीनियरिंग कॉलेज अशैक्षणिक कर्मचारियों को नही मिला-तीन माह से वेतन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर इंजीनियर कॉलेज, एम पी पुनिया पूर्व प्राचार्य ईसीबी के द्वारा की गई फर्जी नियुक्तिया व वर्तमान प्राचार्य जय प्रकाश भाभू के गबन घोटाले व वित्तीय अनियमितता के कारण पिछले 4-5 सालो से अशैक्षणिक

कर्मचारियो के सामने गम्भीर वित्तीय संकट गहराता जा रहा है - ईसीबी कोलेज मे न्यूनतम छात्रो के बावजूद एम बी ए संकाय का संचालन केवल काबीना मन्त्री को खुश करने व उनके चेहतो को लाभ पहुचाने के लिए किया जा रहा है पोलोटैनिक कोलेज बन्द होने बाद भी एसि प्रोफेसरो को लगाये रखना - सिरेमिक संकाय चालू होने बाद से रिसर्च नही - होस्टल मे करोड़ो का घोटाला होने बाद भी रिकवरी नही होना ईसीबी के वित्तीय संकट के लिए जिम्मेदार है - एडवोकेट सुरेश गोस्वामी ने बताया कि बिना शैक्षणिक दस्तावेजो के सत्यापन किये ही ईसीबी को बीटीयू का संघटक कोलेज बनाये जाने की कार्यवाही की जा रही है - ईसीबी मे 75% शैक्षणिक कर्मचारी फर्जी है जिनकी नियुक्ति तीन साल की संविदा मे की थी जिन्हे सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद 2016 मे नियम विरुद्ध स्थाई किया - ईसीबी के वित्तीय संकट का स्थायी हल करने के लिए कड़े कदम उठाने को जरूरत है।

30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस पर मुशर्रफ सिद्दीकी करेंगे देश के पत्रकारों की वर्चुअल मीटिंग

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। देशभर के पत्रकारों पर आए दिन हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने और देश में पत्रकार सुरक्षा विधेयक को लाने की मांग करने वाले देश के विख्यात पत्रकार मुशर्रफ सिद्दीकी आगामी 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस के शुभ अवसर पर देशभर के पत्रकारों से वर्चुअल मीटिंग के दौरान संवाद करेंगे। जिसमें आगामी कार्यक्रमों की भावी रणनीति पर विचार विमर्श किया जायेगा। उक्त जानकारी हरियाणा प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार सुभाष चंद्र पंवार ने देते हुए बताया कि आगामी 30 मई सन 2021 को हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर देशभर के पत्रकारों की एक वर्चुअल मीटिंग को वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक अमन के सिपाही के मुख्य संपादक मुशर्रफ सिद्दीकी संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि मुशर्रफ सिद्दीकी पिछले 30 वर्षों से देशभर के पत्रकारों के लिए संघर्ष करते आ रहे हैं और पत्रकार सुरक्षा विधायक की लड़ाई को भी लड़ रहे हैं। बताया जाता है कि आए दिन देश भर के पत्रकारों पर हो रहे फर्जी मुकदमे तथा उत्पीड़न के विरुद्ध वर्चुअल मीटिंग से पहले एक मीटिंग शुक्रवार के दिन जनपद मुजफ्फरनगर में होगी। जिसमें आगामी वर्चुअल मीटिंग को सफल बनाने की भावी रणनीति पर विचार-विमर्श किया जायेगा।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर सांसद प्रिंस राज ने कराया वैक्सीनेशन, अफवाहों पर ध्यान न दें वैक्सीन अवश्य लेः प्रिंस राज

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज ने शुक्रवार को कोरोना वैक्सीन का पहला डोज लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पहले कोरोना से लड़ने के वैक्सीन नहीं थी लेकिन अब कोरोना को मात देने के लिए हमारे पास वैक्सीन विकल्प के रूप में आया है। सांसद प्रिंस राज ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वैक्सीनेशन के साइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करा कर स्लॉट बुक करने के बाद अपनी बारी आने पर कोरोना टीका जरूर ले। कोरोना से बचाव में देश में दिए जा रहे दोनों टीके बेहद अहम और कारगर साबित हो रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने कार्यकताओं को निर्देश दिया कि क्षेत्र में जाकर लोगों के बीच जागरूकता लाएं और वैक्सिनेशन को लेकर जहां कहीं भी कोई भ्रम की स्थिति है उसे दूर करें। लोगों को वेक्सिनेशन के लिए प्रेरित कर उनके फायदे भी बताए। ये जानकारी मीडिया प्रभारी उमाशंकर मिश्रा ने दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यह एक सब्जी आपको नहीं होने देती आंतों का कैंसर

ब्रोकली को हरी गोभी के नाम से भी जाना जाता है। लोग इसे सलाद या सब्जी के रूप में खाना पसंद करते हैं। प्रोटीन,कैल्शियम, काबोर्हाईड्रेट, आयरन, विटामिन ए और सी आदि कई प्रकार के लवण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की लगभग हर हिस्से को पोषण देते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इसका सेवन आपको आंतों के कैंसर से भी बचाता है। जी हां, एक स्टडी के मुताबिक, ब्रोकली का सेवन आपको आंतों की हर समस्या से बचाता है।

इस स्टडी की रिपोर्ट में सामने आया है कि गोभी या ब्रोकली जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से आंत स्वस्थ रहते हैं और आंतों के कैंसर से भी बचाव होता है। इसके अलावा इसका सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है इसलिए हर किसी को अपने भोजन में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। गोभी और ब्रोकली में आई3सी पाया जाता है, जो एक एक्रियल हाइडोकार्बन रिसेप्टर (एएचआर) नाम के प्रोटीन को सक्रिय करता है। इससे आंतों के कैंसर से बचा जा सकता है। अगर आप हफ्ते में कम से कम 2-3 बार भी ब्रोकली का सेवन करेंगे तो आप आंतों के कैंसर से बचे रहेंगे। दरअसल, एएचआर एक पर्यावरणीय सेंसर के रूप में काम करता है, जोकि प्रतिरक्षा तंत्र और आंतों की एपिथिलिएल कोशिकाओं को संकेत देता है कि सूजन से बचाव करने की कोशिश करें। इसके साथ ही यह आंत में पाए जाने वाले खरबों बैक्टीरिया से प्रतिरक्षा भी प्रदान करता है। शोध प्रमुख का कहना है, 'जब कैंसर ग्रस्त चूहों को आई3सी से भरपूर डाइट खिलाया गया तो उनमें ट्यूमर की संख्या में कमी देखी गई'।

हल्के दर्द में भी लेते है पेनकिलर तो संभल जाएं, होगा नुकसान

सिर या जोड़ों में दर्द उठा नहीं कि आप पेनकिलर खा लेते हैं? अगर हां तो संभल जाएं। दर्द निवारक दवाओं का अंधाधुंध सेवन हार्ट अटैक और स्ट्रोक से मौत का खतरा 50 फीसदी तक बढ़ा देता है। 'ब्रिटिश मैडीकल जनर्ल' में प्रकाशित एक अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है। डेनमार्क स्थित आरहुस यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के शोधकताओं ने 63 लाख लोगों पर पौरासिटामोल, आइबुब्रूफेन और डाइक्लोफेनैक सहित अन्य दर्द निवारक दवाओं के दुष्प्रभाव आंके।

उन्होंने पाया कि स्टोरॉयड रहित ये दवाएं शरीर से पानी और सोडियम निकालने की किडनी की रफ्तार धीमी कर देती है। इससे रक्त प्रवाह तेज हो जाता है, साथ ही अंगों को खून पहुंचाने में ज्यादा दवाब पड़ने के कारण धमनियों के फटने और व्यक्ति के हार्ट अटैक व स्ट्रोक का शिकार होने का खतरा रहता है।

अध्ययन में यह भी देशा गया कि दर्द निवारक दवाएं बल्ड प्रैशर घटाने में इस्तेमाल होने वाली दवाओं को बेअसर करती हैं। मुख्य शोधकर्ता मॉर्टिन शिमित के मुताबिक, दर्द निवारक दवाएं दिल की धड़कन को अनियत्रिंत करती हैं। इससे व्यक्ति को बेचैनी, घबराहट, सीने में दर्द की शिकायत हो सकती है।

ये भी हैं नुकसान

-पैरासिटामोल, आइबुब्रूफेन और डाइक्लोफेनैक से लैस दवाएं किडनी की क्रिया प्रभावित करती हैं।

- शरीर में पानी सोडियम का स्तर बढ़ने से रक्त प्रवाह तेज होता है और नस फटने की आशंका भी रहती है।

- ब्लड प्रैशर घटाने में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न दवाओं को भी बेअसर करती हैं दर्द निवारक दवाएं।

दर्द से राहत दिलाएंगी ये 5 चीजें

1. हल्दी

फ्री-रैडिकल्स को नष्ट करने वाले हल्दी का सेवन दर्द को दूर करने में कारगार होता है।

2. लौंग

दांत में दर्द होने पर लौंग का सेवन काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा अन्य बॉडी पेन को दूर करने के लिए भी यह बेहतरीन प्राकृतिक तरीका है।

3. अदरक

अदरक में दर्द का सिग्नल दिमाग तक पहुंचाने वाले अंजाइम की क्रिया को बाधित करने वाले यौगिक पाए जाते हैं।

4. बादाम

ओमेगा-3 फेटी एसिड मांसपेशियों में दर्द, सूजन, खिंचाव का सबब बनने वाले रसायनों को निष्क्रिय करता है।

5. बर्फ या गर्म पानी की सिकाई

जोड़ों या मांसपेशियों का दर्द होने पर बर्फ या गर्म पानी की सिकाई करें। यह नसों में खून का प्रवाह सुचारू बनाकर दर्द को कम करती हैं।

मल्टी विटामिन खाने से बढती है याददाशत

अक्सर औरतें घर में चीजें रखकर भूल जाती हैं। क्लास में बच्चों को बार -बार पढने पर भी याद नही रहता और कई बार पुरुष भी जरुरी बिल बगैहर भरने भूल जाते हैं। घर के बुजुर्ग भी यादाश्त कमजोर होने की शिकायत करते है। ऐसे में अपने भोजन में मल्टीविटामिन के सप्लीमेंट्स को शामिल करके आप अपनी याददाशत तेज कर सकते हैं।

कैसे बढ़ सकती है आपकी याददाशत

ऑस्ट्रेलिया में हुई एक रिसर्च में सामने आया है कि मल्टीविटामिन से याददाशत तेज होती है और दिमाग की कमजोरी दूर होती है। मल्टीविटामिन से दिमाग की कोशिकाएं तेज हो जाती हैं।

इन शोधों में दावा किया गया है कि अगर हम लगातार चार हफ्ते तक खाने में मल्टीविटामिन का प्रयोग करेगें तो दिमाग की क्रियाओं में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

सेहतमंद रहने के लिए हमारे शरीर को 13 विटामिन्स की जरुरत पड़ती है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी विटामिनों का अलग अलग कार्य होता है।ए, बी, सी, डी, ई और आठ प्रकार के विटामिन होते है जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरुरी होते हैं। इनमें से कुछ विटामिन्स के फायदे नुकसान और स्त्रोत आज आप को बताएंगे।

1.विटामिन ए की कमी से अंधापन, आंखों में सूखापन, रूखे बाल, सूखी त्वचा, बार-बार सर्दी-जुकाम, थकान, कमजोरी, नींद न आना आदि होता है।

यह हमें पीली या नारंगी सब्जियां, पालक, स्वीट पोटेटो, पपीता, दही, सोयाबीन और दूसरी पत्तेदार हरी सब्जियां के सेवन से मिलता है।

2. विटामिन बी काम्पलेक्स मेटॉबालिज्म बढ़ाता है साथ ही खाने से मिलने वाले पोषण को ऊर्जा में बदलने के काम करता है। यह हमें टमाटर, भूसीदार गेंहु का आटा, अण्डे की जर्दी, हरी पत्तियो के साग, बादाम, अखरोट आदि के सेवन से मिलता है।

3. विटामिन सी कोशिकाओं को स्वस्थ रखता है। यह दांत, त्वचा और आंखों के लिए जरुरी होता है। दूध, दही, संतरे, आंवले, अंगूर आदि में यह भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

4. विटामिन डी की मदद से शरीर में कैल्शियम का निर्माण होता है और कैल्शियम हड्डियों की मजबूती के लिए जरुरी होता है। सूरज की किरणे इसकी मुख्य स्त्रोत होती है।

5.विटामिन इ, खून में रेड बल्ड सेल या लाल रक्त कोशिका (Red Blood Cell) को बनाने के काम आता है। विटामिन ई पालक, एवोकाडो, बादाम, ब्रोकली, सूरजमुखी के बीज, पीनट, बटर खाने से मिलता है। विटामिन ई की कमी से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता घट जाती।

यह शरीर को एलर्जी से बचाता है।मल्टीविटामिनों का महत्व का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि ब्रिटेन में हर साल इस पर 14 करोड़ पाउंड खर्च किए जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बचपन से बॉलीवुड में अभिनेत्री, मॉडल व डांसर बनने का सपना हुआ पूराः एडी इथिओ (असडे)

ईस्ट अफ्रीका के इथियोपिया की रहने वाली एडी इथिओ (असडे) ने अपने मेहनत के दम पर बॉलीवुड में कर रही हैं राज

बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए देश व विदेश से हजारों लड़के-लड़कियां रोज मुंबई का रुख करते हैं लेकिन, इनमें से कुछ ऐसे खुशनसीब लोग होते हैं जो कि अपने सपने को पूरा कर पाते हैं और आज हम आपको एक ऐसी ही सफल अभिनेत्री, मॉडल व डांसर के बारे में बताने वाले हैं, जो कि अपने एक्टिंग के सपने को पूरा करने के लिए भारत नहीं बल्कि ईस्ट अफ्रीका के इथियोपिया से मुंबई आ गई थी और मौजूदा समय में वह अभिनेत्री, मॉडल व डांसर एक बड़ी स्टार बन चुकी है। यह अभिनेत्री, मॉडल व डांसर कोई और नहीं बल्कि एडी इथिओ (असडे) हैं। 26 वर्ष की एडी इथिओ (असडे) ईस्ट अफ्रीका के इथियोपिया की रहने वाली हैं और इनका जन्म भी वहीं हुआ था। एडी इथिओ (असडे) ने बताया कि बचपन से ही उन्हें एक्टिंग और डांसिंग का शौक था। एडी इथिओ (असडे) बचपन से ही स्टेज शो करना शुरू कर दी थी, धीरे-धीरे कड़ी मेहनत के बाद इथियोपिया में ही स्टार और सेलिब्रिटी के साथ स्टेज शो करने लगी। एडी इथिओ (असडे) ने कहा कि मैं बचपन से ही बॉलीवुड को अपने सपने के रूप में प्यार करता हूं, बॉलीवुड में अपने सपने पूरा करने के लिए मैं भारत आने का फैसला किया, मेरी स्कूली शिक्षा के बाद में मैं भारत शिफ्ट हो गई। जिसके बाद मैं फिल्म मेकिंग में एनिमेशन, फिल्म एडिटिंग, पोस्ट प्रोडक्शन और प्री-प्रोडक्शन में ग्रेजुएशन हासिल की साथ ही हिन्दी, अंग्रेजी व अम्हारिक भाषा भी अच्छे से बोलती हैं। एडी इथिओ (असडे) ने लखनऊ, मुंबई और भारत के कुछ मेट्रो शहर में बहुत सारे शार्ट वीडियो और डांस वीडियो में काम किया। साथ ही कई अकादमिक डांसिंग शो और राज्य स्तर स्टेज शो में भाग लिया। उसके बाद आईटम डांसर और एक्टिंग के लिए तीन स्थानीय भाषा की फिल्में भी साइन की। एडी इथिओ (असडे) ने बताया कि मैंने एल्बम गानों के लिए डांस कोरियोग्राफी भी की है। एडी इथिओ (असडे) बॉलीवुड फिल्मों में, इनक्रेडिबल इंडिया, महाबली, सुल्तान मिर्जा और न्याय द जस्टिक (सुशांत सिंह राजपूर पर आधारित), शार्ट फिल्म, आईटम सांग और प्रिंट शूट व अलबम में काम किया है। एडी इथिओ (असडे) ने आगे बताया कि कई बड़े स्टेज शो, भोजपुरी आईटम सांग, अलबम व फिल्में साईन की हैं।

शाहरुख खान फैंस को जल्द देंगे बड़ा सरप्राइज

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान लंबे समय से पर्दे पर दिखाई नहीं दिए हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'पठान' की दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने भी कुछ सालों पहले ओटीटी पर डेब्यू किया था लेकिन बतौर एक्टर नहीं बल्कि प्रोड्यूसर। शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने ओटीटी के लिए कई प्रोजेक्ट बनाए। शाहरुख खान फिल्म 'जीरो' के बाद 'पठान' में काम कर रहे हैं। दोनों फिल्मों के बीच खासा गैप है। ऐसा नहीं है कि कोरोना महामारी के बीच लगे लॉकडाउन में एक्टर शांति से बैठे हैं। खबर है कि 'पठान' फिल्म के रिलीज होते-होते शाहरुख कुछ नए प्रोजेक्ट्स ओटीटी पर दिख सकते हैं। अब आ रही लेटेस्ट खबरों की मानें तो शाहरुख खान के फैंस इस साल के आखिर तक फैंस को डबल ट्रीट दे सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, शाहरुख खान लॉकडाउन में अपना समय कुछ ओटीटी प्रोजेक्ट फाइनल करने में लगा रहे हैं। हालांकि इन प्रोजेक्ट्स को वे प्रोड्यूस करेंगे। किंग खान जल्द ही अपने प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट तले कुछ ओटीटी प्रोजेक्ट रिलीज कर सकते हैं।